वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380
वर्ष :3 अंक : 249 शनिवार 6 जनवरी 2024
दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia
प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

भगवान राम को 751 व्यंजनों का लगाया जाएगा भोग

जयपुर. कासं

अयोध्या में 22 जनवरी को रामलला का प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव होगा। इस महोत्सव को भव्य बनाने के लिए राजधानी में भी तैयारियां जोरों पर हैं। इस दिन चांदपोल स्थित रामचंद्र मंदिर में राम दरबार को भगवान राम के प्रिय मिठाई और पकवानों सहित 751 व्यंजनों का भोग लगाया जाएगा। लंका विजय के बाद अयोध्या आगमन पर राम को परोसी गई मिठाइयां रामदरबार को मनुहार पूर्वक परोसी जाएंगी। महंत नरेंद्र तिवारी ने बताया कि मंदिर में 6 से 22 जनवरी रामोत्सव मनाया जाएगा। पहले दिन ठाकुरजी को दिव्य 56 भोग अर्पित किए जाएंगे। इसके बाद हर दिन अलग-अलग व्यंजनों की झांकी सजाई जाएगी। महंत नरेंद्र तिवारी ने बताया कि मंदिर परिसर में 10 पुजारी और रसोइये व्यंजन बनाने में जुट गए हैं। उत्तम दुसाद ने बताया कि भोग के निर्माण में शुद्धता का पूरा ध्यान रखा जाएगा। प्राचीन परंपरा के अनुसार लकड़ी की पांच भट्टियों पर पकवान व व्यंजन बनाए जाएंगे। भगवान राम को प्रिय चंद्रकला, काजूपाक, पिस्तापाक, चारौली का पाक, मोहनभोग, बालूशाही, बासुंदी, गुलाब भात और खीर सहित अन्य पकवान तैयार किए जाएंगे। इन्हें मुख्यतः दूध और मावे से तैयार किया जाएगा। प्रभु राम को 400 मिठाइयों सहित कुल 751 व्यंजनों का भोग लगाया जाएगा। महंत ने बताया कि 22 जनवरी को जन्मोत्सव मनाया जाएगा। हवाई गर्जना व बधाई गान के बीच संध्या आरती होगी। दीपदान के बाद 51 हजार लड्डू प्रसाद के रूप में वितरित किए जाएंगे।

250 से अधिक जैन मंदिरों में होंगे पूजा अर्चना

रविवार को भगवान चन्द्रप्रभू और भगवान पार्श्वनाथ जयन्ती पर शांतिधारा की जायेगी

जयपुर. कासं। शहर के 250 से अधिक जैन मंदिरों में होगी पूजा अर्चना। जैन धर्म के आठवें तीर्थंकर भगवान चन्द्र प्रभु एवं 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का जन्म व तप कल्याणक दिवस रविवार को मनाया जायेगा। इस अवसर पर दिगम्बर जैन मंदिरों में विशेष पूजा अर्चना का आयोजन किया जायेगा। रविवार को जैन धर्म के आठवें तीर्थंकर भगवान चन्द्र प्रभु एवं 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का जन्म व तप कल्याणक दिवस भक्ति भाव से मनाया जाएगा। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि प्रातः दोनों तीर्थंकरों के अभिषेक के बाद विश्व में सुख शांति और समृद्धि की कामना करते हुए शांतिधारा की जायेगी, उसके बाद श्री जी की पूजा अर्चना की जाकर पूजा के दौरान मंत्रोच्चार के साथ दोनों तीर्थंकरों के जन्म व तप कल्याणक अर्घ्य चढ़ाया जायेगा। जैन ने बताया कि ख्वास जी का रास्ता स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सोनियान में आचार्य चैत्य सागर महाराज ससंघ और आचार्य सौरभ सागर महाराज के सानिध्य में, श्योपुर के श्री चन्द्रप्रभू दिगम्बर जैन मंदिर में गणिनी आर्यिका 105 श्री भरतेश्वर मती माताजी, टोंक रोड पर बीलवा के दिगम्बर जैन मंदिर में गणिनी आर्यिका 105 नंगमति माताजी के सानिध्य में पूजा विधान के विशेष आयोजन किये जाएंगे । दुर्गापुरा के श्री चन्द्र प्रभू दिगम्बर जैन मंदिर, सांगानेर के श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर संघीजी, गलता रोड पर अतिशय क्षेत्र जग्गा की बावडी, आगरा रोड स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी, सूर्य नगर तारों की कूंट पर श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, बैनाड़ स्थित श्री चन्द्र प्रभू दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र चन्द्रगिरी, मोती सिंह भोमियो का रास्ता स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर चौबीस महाराज, खोह नागोरियान स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र शांतिनाथ जी की खोह, महारानी फार्म स्थित श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर सहित कई मंदिरों में भगवान पार्श्वनाथ एवं भगवान चन्द्र प्रभू के जन्म व तप कल्याणक दिवस पर पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किए जाएंगे। महाआरती के बाद समारोह का समापन किया जायेगा ।

महाराजा सवाई मानसिंह स्कूल में एनुअल स्पोर्ट्स डे का आयोजन

खिलाड़ियों को उत्कृष्ट खेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया

जयपुर. कासं

खेल के मैदान में स्टूडेंट्स ने दिखाई अपनी फिजिकल और मेंटल स्ट्रेंथ, मौका था स्पोर्ट्स डे का। महाराजा सवाई मान सिंह स्कूल में एनुअल स्पोर्ट्स डे का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में स्टूडेंट्स ने बड़े उत्साह के साथ खेल गतिविधियों में अपनी सहभागिता दिखाई। स्टूडेंट्स ने दौड़ते -भागते खेल -खेल में एक दूसरे को मैदान में दी चुनौती। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महाराजा सवाई मान सिंह स्कूल के अध्यक्ष विक्रमादित्य थे। इस अवसर पर उपस्थित अन्य विशिष्ट अतिथियों में स्कूल के सचिव महाराज विजित सिंह भी शामिल थे। कार्यक्रम में स्पोर्ट्स हेड बॉय और स्पोर्ट्स हेड गर्ल द्वारा ज्योति प्रज्वलित किया गया। ध्वजारोहण समारोह के दौरान मुख्य अतिथि ने स्कूल का ध्वज फहराया। स्कूल के खिलाड़ियों द्वारा एक दिलचस्प मार्च पास्ट के साथ-साथ स्कूल बैंड द्वारा कुछ मार्चिंग संगीत के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई। उत्साहवर्धक मार्च पास्ट के बाद अध्यक्ष और स्कूल प्रिंसिपल ज्योति जोशी ने रंग-बिरंगे गुब्बारे उड़ाकर खेल प्रतियोगिता के उद्घाटन की घोषणा की। इस कार्यक्रम में मास पी. टी 100 और 200 मीटर की श्रेणियों में दौड़ शामिल थी। दौड़ 4x100 मीटर रिले, खेल प्रदर्शन - बास्केटबॉल, हैंडबॉल, बॉक्सिंग और फुटबॉल, रस्साकशी, इंटर-हाउस खो-खो, कबड्डी, बास्केटबॉल, हैंडबॉल, फुटबॉल, हॉकी, क्रिकेट और बॉक्सिंग मैच। एक बार दौड़ शुरू होने पर, माहौल युवा एथलीटों के उत्साह और उत्साह से भर गया। राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को उत्कृष्ट खेल पुरस्कार दिए गए। विजेताओं को पदक और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि विक्रमादित्य ने दर्शकों को संबोधित किया। मुख्य अतिथि एवं महाराज विजित सिंह जी ने विजेताओं को ट्रॉफी, मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। खेल दिवस का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

पारस जैन मिलन अशोक नगर की बैठक सम्पन्न

गौरव जैन सिन्नी. शाबास इंडिया

पारस जैन मिलन की बैठक मे वीर सुनील जैन धनु के घर शाखा अध्यक्ष वीर जीतू जैन क्षेत्रीय अध्यक्ष वीर नरेश चंद जैन के मार्गदर्शन में संपन्न हुई जिसमें नगर जैन मिलन गुना के शाखा मंत्री वीर सुनील कुमार जैन ने भी भाग लिया मीटिंग का प्रारंभ महावीर प्रार्थना से की गई गुना नगर जैन मिलन के शाखा मंत्री वीर सुनील कुमार जैन का सम्मान क्षेत्रीय अध्यक्ष वीर नरेश चंद्र जैन क्षेत्रीय उपाध्यक्ष वीर सुनील कुमार जैन शाखा अध्यक्ष वीर जीतू जैन शाखा मंत्री वीर नीरज जैन तारई द्वारा पुष्प माला पहनाकर किया गया मीटिंग में कई विषयों पर चर्चा की गई जिसमें प्रमुख रूप से यह निर्णय लिया गया की सभी को वार्षिक मिलन समारोह करना चाहिए तथा क्षेत्रीय मीटिंग जो पूर्व में थोवोन जी में की गई थी उसकी सफलता से सभी उत्साहित हैं और निर्णय लिया की अगर क्षेत्र से स्वीकृति मिली तो क्षेत्रीय अधिवेशन किया जाएगा इसका प्रस्ताव वहां भेजा जाए। सभी वीरों ने अपने-अपने सुझाव रखे मीटिंग में करीब सभी वीर उपस्थित रहे।

लोकोदय तीर्थक्षेत्र पर 24 समवशरण श्री कल्पद्रुम महामन्डल विधान का पांचवा दिन

आगरा. शाबाश इंडिया

आगरा मथुरा नेशनल हाईवे स्थित अंतरराष्ट्रीय लोकोदय तीर्थ की भूमि पर आगरा नगर के इतिहास में पहली बार 24 समवशरण श्री कल्पद्रुम महामंडल विधान का आयोजन चल रहा है। जहां प्रत्येक दिन लगभग दो हजार इन्द्र-इन्द्राणियां और अन्य भक्त इस मांगलिक विधान में सहभागिता करने के उद्देश्य से प्रतिदिन विधान स्थल पर आ रहे हैं। जनवरी के पहले हफ्ते की ठिठुरती ठंड में यूं तो सूरज देवता की चमक फीकी है जहां विधान के पांचवें दिन 5 जनवरी को सभी इन्द्र- इन्द्रणियों ने भव्य 24 समवशरण के समक्ष बाल ब्रह्मचारी प्रदीप भैय्या सुयश जी के कुशल निर्देशन में मंत्रोच्चारण के साथ श्रीजी के समक्ष अर्घ्य अर्पित कर विधान की क्रियाएं सम्पन्न कीं विधान में मौजूद सभी इन्द्र-इन्द्रणियों ने मधुर भजनों की संगीतमय में लहरियों के साथ थिरके रहे थे इस दौरान लोको दय तीर्थक्षेत्र की भूमि का वातावरण भक्तिमय बना हुआ थो विधान का आनंद समस्त आगरा सकल जैन समाज के लोग हजारों की संख्या में उठा रहे हैं। मीडिया प्रभारी शुभम जैन ने बताया कि 24 समवशरण श्री कल्पद्रुम महामंडल विधान का समापन विश्व शांति महायज्ञ एवं भव्य पिंछी परिवर्तन समारोह के साथ होगो * *विधान का संचालन मनोज जैन बाकलीवल ने कियो इस अवसर पर,प्रदीप जैन मनोज जैन बाकलीवाल नीरज जैन जिनवाणी, निर्मल मोठ्या, प्रदीप जैन शास्त्री भैया जी,पन्नालाल बैनाड़ा, हीरालाल बैनाड़ा,राजेश बैनाड़ा विवेक बैनाड़ा, राजेश सेठी,अमित जैन बॉबी, राजेश जैन, पंकज जैन,अनिल जैन शास्त्री, मीडिया प्रभारी शुभम जैन, राहुल जैन, दिलीप जैन,उत्तमचंद जैन,पंकज जैन, यतीन्द्र जैन,पंकज जैन, शैलेंद्र जैन, अनिल जैन,नरेश जैन,समस्त आगरा जैन समाज के लोग एवं बाहर से पधारे गुरुभक्त बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। **रिपोर्ट :शुभम जैन**

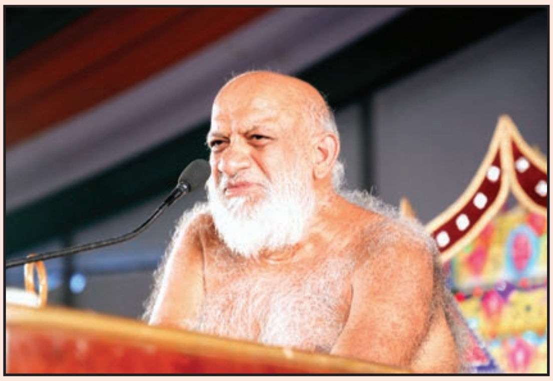

सांवरा आजाइयो जमुना किनारे मेरो गांव

Late Seth Rajmal Surana
4th &
ent of Art
PALAM SOUND

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्रुति मंडल एवं कला साहित्य एवं संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय सुराणा स्मृति समारोह के अंतर्गत दूसरे दिन पद्मश्री प्रकाश चंद सुराणा की स्मृति में किराना घराने के जय तीर्थ मेउंडी ने अपने शास्त्रीय गायन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। गायक कलाकार जयतीर्थ ने कार्यक्रम की शुरूआत राग पूरिया कल्याण से की।इसके बाद उन्होंने एक बंदिश राग दुर्गा में सुनाई और राग पहाड़ी में एक ठुमरी सावरा आजाइयो जमुना किनारे मेरो गांव को बड़ी तन्मयता से सुनाकर उपस्थित श्रोताओं को इस ठंडे मौसम में गर्मी का एहसास कराया। जयतीर्थ ने अंत में हिंदी और मराठी में भजन की प्रस्तुति से समापन किया, इनके साथ तबले पर पांडुरंग पवार, हारमोनियम पर सिद्धेश बिचोलकर, पखावज पर सुखद मुंडे, साइड रिदम पर सूर्यकांत सुर्वे और तानपुरे पर मोहित शर्मा और अयान खान ने संगत की। इस अवसर पर प्रकाश चंद सुराणा संगीत छात्रवृत्ति ललित मेऊंडी को प्रदान की गई। कार्यक्रम के प्रारंभ में विमलचंद सुराणा, शोभा सुराना जयतीर्थ मेउंडी चंद्र प्रकाश, प्राचीर सुराना एवं सुधीर माथुर ने दीप प्रज्वलित किया। समारोह के पहले दिन राजमल सुराना स्मृति के तहत देश के सुप्रसिद्ध सितार वादक सुजात हुसैन खा ने अपने कार्यक्रम में शुद्ध कल्याण एवं यमन की प्रस्तुति से दर्शकों की तालियां बटोरी। उस्ताद शुजात हुसैन ने अपने चिर परिचित अंदाज में गायन और वादन का सेतू बनाया।

तीर्थंकर पार्श्वनाथ के 2900 वें जन्मकल्याणक पर विशेष

काशी के नाथ तीर्थंकर पार्श्वनाथ

जैन धर्म के चौबीस तीर्थंकरों में से पांच तीर्थंकरों का अयोध्या में हुआ और चार तीर्थंकरों का जन्म काशी,वाराणसी में हुआ था। जैन धर्म के अंतिम और चौबीसवें तीर्थंकर भगवान्‌महावीर से लगभग 300 वर्ष पूर्व अर्थात आज से लगभग तीन हजार वर्ष पूर्व तेइसवें तीर्थंकर पार्श्वनाथ का जन्म बाईसवें तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ के तिरासी हजार सात सौ पचास वर्ष बाद काशी (बनारस) के राजा काश्यप गोत्रीय अश्वसेन तथा रानी वामादेवी के घर पौषकृष्ण एकादशी के दिन अनिल योग में हुआ था। शास्त्रों के अनुसार तीर्थंकर पार्श्वनाथ के शरीर की कांति धान के छोटे पौधे के समान हरे रंग की थी। मान्यता यह है कि पूर्व जन्मों की श्रृंखला में पार्श्वनाथ पहले भव (जन्म) में ब्राह्मण पुत्र मरुभूति थे तथा उन्हीं के बडे.भाई कमठ ने द्वेषवश उन पर पत्थर की शिला पटककर उनका प्राणांत कर दिया था। वही कमठ विभिन्न जन्मों में उनके साथ अपना वैर निकालता रहा। किन्तु समता स्वभावी तीर्थंकर पार्श्वनाथ ने किसी जन्म में कभी उसका प्रतिकार नहीं किया और वे प्रत्येक विपत्तियां धैर्यपूर्वक सहन करते रहे। फलस्वरूप अंतिम भव में पार्श्वनाथ का जन्म एक राजघराने में हो गया। किन्तु राजा के यहां सुलभ संसार की सभी भोग संपदाएं विरक्त पार्श्वनाथ को आसक्त नहीं बना सकीं। तीस वर्ष की युवावस्था में वे प्रव्रजित (वैरागी) हो गए। पार्श्व पुराण के अनुसार एक दिन वे देवदारु वृक्ष के नीचे ध्यान में लीन बैठे थे। उसी समय कमठ (जो इस जन्म में शंबर नाम का असुर था) आकाश मार्ग से जा रहा था। उसने पार्श्वनाथ को तपस्या करते देखा तो उसे पूर्व जन्मों का बैर स्मरण हो गया ।उनसे पुनः बदला लेने के लिए वह उनपर महागर्जना तथा महावृष्टि करने लगा। इसी बीच एक वही सर्प का जोड़ा धरणेंद्र और पद्मावती के रूप में महायोगी पार्श्वनाथ की रक्षा के लिए स्वतः आ गया,जिसको राजकुमार पार्श्व ने मरते समय महामंत्र सुनाया था ।उन्होंने उनके मस्तक पर अपना फन फैलाकर कमठ के उपसर्ग (व्यवधान) से उनकी रक्षा की भावना और प्रयास किया ।इन सभी घटनाओं से भी विरक्त पार्श्वनाथ अपनी तपस्या से विमुख नहीं हुए और उन्हें कैवल्य ज्ञान की प्राप्ति हो गई। कैवल्य ज्ञान प्राप्त होने के बाद उनका समवशरण (धर्मसभा) भारत के विभिन्न स्थलों पर लगा, जहां उन्होंने उपदेशों के माध्यम से सभी जीवों को आत्मकल्याण का मार्ग बतलाया। उन्होंने लगभग सत्तर वर्ष तक विहार किया। उनके समवशरण में स्वयंभू आदि लेकर दस गणधर थे, सोलह हजार मुनिराज, तथा 38000 दीक्षित आर्यिकायें थीं जिसमें प्रमुख आर्यिका का नाम सुलोचना था एक लाख श्रावक थे और तीन लाख श्राविकाएं थीं अंत में बिहार में स्थित सम्मेद शिखर पर प्रतिमा योग धारण कर विराजमान हो गए और श्रावण शुक्ला सप्तमी के दिन वहीं से उन्हें मोक्ष की प्राप्ति हुई थी उस समय इनकी मुक्ति के साथ साथ 3600 मुनि भी मोक्ष गए थे और उसके अनंतर तीन वर्ष के भीतर इनके 6200 शिष्य मुनिगण को मोक्ष की प्राप्ति हुई थी । वर्तमान में यह जैन धर्मावलम्बियों का महान पवित्र तीर्थ क्षेत्र है इसे पार्श्वनाथ हिल के नाम से भी ख्याति प्राप्त है। बारहवीं शती के हरियाणा के जैन कवि बुध श्रीधर ने अपभ्रंश भाषा में तीर्थंकर पार्श्वनाथ के जीवन पर आधारित 'पासणाहचरिउ' लिखा है जिसकी प्रशस्ति में उन्होंने दिल्ली के हिन्दू सम्राट अनंगपाल के बारे में तथा दिल्ली के तत्कालीन इतिहास की जानकारी दी है अन्यथा मुगल सल्तनत के पूर्व की दिल्ली का इतिहास जानना बहुत मुश्किल हो गया था भारत में प्रसिद्ध नाथ संप्रदाय और नाग पूजा के इतिहास को भी तीर्थंकर पार्श्वनाथ से जोड़कर देखा जाता है । तीर्थंकर पार्श्वनाथ के मंदिर भारत में हजारों की संख्या में हैं।बिजौलिया के पार्श्वनाथ,सूरत का चिन्तामणि पार्श्वनाथ मंदिर,द्रोणगिरि के पार्श्वनाथ मंदिर, नैनागिरी सिद्ध क्षेत्र का पार्श्वनाथ मंदिर, महुवा के विघ्नहर पार्श्वनाथ, दिल्ली चांदनी चौक का प्रसिद्ध लाल जैन मंदिर आदि अन्यान्य मंदिर बहुत ही ज्यादा प्रसिद्ध हैं खजुराहो का पार्श्वनाथ मंदिर विश्व प्रसिद्ध है। वाराणसी ,काशी में भेलूपुर स्थित श्री पार्श्वनाथ जैन मंदिर उनका जन्म स्थान माना जाता है । तीर्थंकर पार्श्वनाथ के अतिशय क्षेत्रों में अहिच्छत्र पार्श्वनाथ, वागोल पार्श्वनाथ, नागफणी पार्श्वनाथ, चंवलेश्वर पार्श्वनाथ, अन्देश्वर पार्श्वनाथ, अड़िन्दा पार्श्वनाथ, बिजौलियां पार्श्वनाथ, अन्तरिक्ष पार्श्वनाथ, मक्सी पार्श्वनाथ, महुवा-पार्श्वनाथ आदि अन्यान्य तीर्थ क्षेत्र बहुत प्रसिद्ध हैं।इनका चिन्ह सर्प है और उनकी पहचान मस्तक के ऊपर सर्प के फण से की जाती है,यद्यपि बिना फण वाली प्रतिमाएं भी प्राचीन काल से ही मिलती हैं तथापि प्रायः प्रतिमाएं फणयुक्त ही होती हैं । आचार्यों और विद्वानों ने उनकी स्तुति में हजारों स्तुतियाँ स्तोत्र लगभग हर भाषा में लिखे हैं जैन भक्ति साहित्य का आधा से अधिक भाग तीर्थंकर पार्श्वनाथ को ही समर्पित हैं वर्तमान में सुप्रसिद्ध भजन ह्यतुमसे लागी लगन ,ले लो अपनी शरण,पारस प्यारा ....प्रत्येक भक्त के कंठ का हार बना हुआ है जैन परंपरा में अधिकांश तंत्र मन्त्र का सम्बन्ध भी पार्श्वनाथ की उपासना से ही है । तीर्थकर पार्श्वनाथ का जीवन में कष्टों में भी समता भाव धारण करने का एक महान उदाहरण है। आज हमारे जीवन में भी थोड़ी-सी अनुकूलता हो तो हम फूले नहीं समाते और जरा-सा कष्ट हो तो हाय-तौबा मच देते हैं। हमें तीर्थंकर पार्श्वनाथ के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए कि कष्ट और विपत्ति में भी हम कैसे दुखों से निस्पृह बने रह सकते हैं। उनसे हम सुख-दुख में समता की प्रेरणा प्राप्त कर सकते हैं और अपना जीवन सुखी बना सकते हैं।

प्रो. अनेकांत कुमार जैन
(राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित)
आचार्यः जैन दर्शन विभाग ,
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत
विश्वविद्यालय, नई दिल्ली -110016

वृक्षारोपण करके मनाया जन्मदिन-पर्यावरण बचाने का दिया सन्देश

कोटा. शाबाश इंडिया। कोटा थर्मल के अग्निशमन विभाग में कार्यरत अधिशासी अभियन्ता आशुतोष प्रसाद के जन्म दिवस के अवसर पर कोटा थर्मल में वृक्षारोपण करके पर्यावरण बचाने का सन्देश दिया गया। आशुतोष प्रसाद पर्यावरण प्रेमी रहे हें पर्यावरण की सुरक्षा के लिये हर पल तत्पर रहते हें उनकी दिली इच्छा थी कि कार्यस्थल पर पौधारोपण किया जाये इसलिये इस बार फायर स्टाफ द्वारा उनकी इस इच्छा के अनुरूप ही जन्म दिन मनाने का निर्णय लिया गया और मुख्य अतिथि अधीक्षण अभियन्ता फायर आर के छावल के नैतृत्व में अभियन्ता व कर्मचारियों ने फायर स्टेशन के पास 11 पौधे लगाकर इनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी ली। इस अवसर पर अधीक्षण अभियन्ता फायर आर के छावल अधिशासी अभियन्ता फायर आशुतोष प्रसाद सहायक अभियन्ता फायर प्रीति वणावला सहायक अभियन्ता फायर दीपक सिंह राजौरा थर्मल ठेकेदार वर्कर्स यूनियन अध्यक्ष आजाद शेरवानी कॉन्ट्रेक्टर रिंकू गुर्जर, कालू गुर्जर सुपरवाइजर अनिल मेहरा, प्रदीप मालव, भूपेन्द्र सुमन, प्रदुमन सिंह, सुनील सैनी, नवीन सुमन, पप्पू खान, युवराज नागर, प्रभुलाल माली, विष्णु सेनी, मनीष रावत, नरेन्द्र सुमन, बलवन्त सिंह, चौथ सिंह, चन्दालाल शर्मा, शुभम शर्मा, ऋषिदेव पाण्डे, मन्सूर अहमद, महेन्द्र राणावत, अक्षय जागा, परमेश्वर शर्मा, सतीश नागर इत्यादि उपस्थित रहे।

वेद ज्ञान

समस्याएं सुधार का अवसर प्रदान करती हैं

जीवन समस्याओं और उलझनों से भरा है। समय एक जैसा नहीं रहता। सुख है तो दुख भी आने वाले हैं। इस सत्य को पूरी तरह स्वीकार करने वाला व्यक्ति किसी भी अप्रिय स्थिति को अनहोनी समझकर नहीं देखता। ऐसे लोग तलाशने पर शायद बहुत कम मिलें। बहुसंख्या ऐसे लोगों की है, जो विपत्ति आने पर अवाक रह जाते हैं और विचलित हो जाते हैं। यह भ्रम पाल लेना कि जीवन में सदा सुख है, निर्बाधता है, ऐसी सोच विपत्ति के आने पर हमें कमजोर और भयभीत कर देती है। कमजोर और डरा हुआ मन कोई आश्रय, कोई अवलंबन खोजने लगता है स्थिति से निपटने का। ऐसा इसलिए, क्योंकि व्यक्ति का स्वयं पर विश्वास नहीं रहता। जीवन के सत्य से जितनी दूरी होगी, छोटी से छोटी समस्या उतनी ही बड़ी लगने लगेगी। दीनहीनता उतनी ही बढ़ जाएगी। किसी भी समस्या या संकट को अनहोनी की तरह न लेना मन की पहली विजय होती है। विचलित होने से आप विवेकपूर्ण फैसले नहीं ले सकते। सच तो यह है कि स्थितियां ही नहीं, स्वयं अपने जीवन पर भी हमारा कोई वश नहीं है। सभी कुछ ईश्वर के अधीन है। सृष्टि की रचना उसने की है, जीवन भी उसी ने दिया है और जीवन के पल, क्षण तक उसने तय कर दिए हैं। पूरा संसार उसकी इच्छा और आज्ञा में है। 'मैं' एक भ्रम है। इस सोच के व्यक्ति संकट में विचलित नहीं होते। हर समस्या और संकट का मूल कारण हम ही होते हैं और समस्याएं स्वयं के सुधार का अवसर प्रदान करती हैं। मानव जीवन में जाने, अनजाने पाप कर्म होते ही रहते हैं। परमात्मा चूंकि दयालु भी है ।इसलिए जब कोई उसकी शरण में जाता है और अपना सर्वस्व अर्पण करके कृपा की आकांक्षा करता है, तब वह उस पर अवश्य दया करता है। ईश्वर करुणा का सागर है, इसलिए कोई उसकी ओर एक कदम चले तो वह कोटि कदम आगे होकर उसे अपने गले लगा लेता है। बातों से नहीं, बल्कि अंतस चेतना में ईश्वर की अनुभूति करके ही उसकी महानता का पता चलता है। जब ईश्वर की महानता समझ में आ जाती है, तब शब्द चुक जाते हैं, वाणी मौन हो जाती है ।संकट के समय ईश्वर को अपना सहायक बना लेने से व्यक्ति की राह आसान हो जाती है और वह सहजता से समस्याओं या बाधाओं का सामना करने में सक्षम हो जाता है।

संपादकीय

खिलाड़ियों के बेहतर भविष्य की उम्मीद

भारतीय कुश्ती महासंघ यानी डब्लूएफआइ को लेकर सरकार ने हाल ही में जो सख्त फैसला लिया था, उससे यही संदेश गया कि देर से ही सही, लेकिन इस मसले पर जरूरी दखल दी गई है और अब इस खेल और खिलाड़ियों के बेहतर भविष्य की उम्मीद की जा सकती है। मगर अब निलंबित डब्लूएफआइ के अध्यक्ष संजय सिंह ने जो तेवर दिखाया है, उससे कोई हल या नया रास्ता निकलने के बजाय इस मुद्दे पर चल रहे घमासान के और गहराने की ही आशंका खड़ी हो गई है। दरअसल, खेल मंत्रालय की ओर से डब्लूएफआइ के निलंबित होने के बावजूद उसके अध्यक्ष ने न केवल भारतीय ओलंपिक संघ की ओर से गठित तदर्थ समिति को मानने से इनकार कर दिया, बल्कि यह भी कहा वे मंत्रालय की ओर से किए गए निलंबन को स्वीकार नहीं करते। हालांकि इस बीच तदर्थ समिति ने जयपुर में राष्ट्रीय चैंपियनशिप कराने की घोषणा की थी, मगर दूसरी ओर संजय सिंह ने भी महासंघ की ओर से यही प्रतियोगिता कराने की बात कही। सवाल है कि इस खींचतान के बीच क्या नियम-कायदों की कोई जगह बची है और सरकार की ओर से की गई कार्रवाई की कोई अहमियत है? गौरतलब है कि डब्लूएफआइ के पूर्व अध्यक्ष पर कुछ महिला पहलवानों की ओर से लगाए गए आरोपों से उठे विवाद का निष्कर्ष इस रूप में सामने आया कि बृजभूषण शरण सिंह के बाहर होने के बाद उनके करीबी संजय सिंह को नया अध्यक्ष नियुक्त कर दिया गया। नए महासंघ में एक भी महिला को नहीं चुना गया था। इस बीच चुनाव के नतीजे को बृजभूषण शरण सिंह के खेमे की ओर से जिस तरह अपनी जीत के रूप में पेश किया गया, उसके जरिए एक तरह से पिछले कई महीनों से महिला पहलवानों के संघर्ष को यह संदेश देने की कोशिश की गई कि प्रभावशाली नेताओं की जिद के आगे उनकी जगह क्या है। स्वाभाविक ही निराशा से भरी साक्षी मलिक ने संन्यास की घोषणा कर दी और कई अन्य खिलाड़ियों ने भी पुरस्कार या पदक लौटाने सहित अलग-अलग तरीके से अपना प्रतिरोध दशार्या। हालांकि सरकार को पहले ही इस मसले पर अपना रुख स्पष्ट रखना चाहिए था, मगर इसके बाद उसने कुश्ती महासंघ के चुनाव में कई अनियमितताओं का हवाला देकर उसे निलंबित कर दिया और भारतीय ओलंपिक संघ ने तीन सदस्यीय तदर्थ समिति गठित कर दी। जाहिर है, अगर सरकार की इस कार्रवाई का आधार मजबूत है, तो उसे इस फैसले को अमल में उतारने को लेकर भी ठोस कदम उठाना चाहिए। मगर इस पर निलंबित डब्लूआइएफ के अध्यक्ष ने महासंघ को स्वायत्त बताते हुए जैसा रुख अख्तियार किया है, उससे यही लगता है कि लंबे समय से चल रहे जद्दोजहद के समांतर अब इस मामले में कई पक्ष बन गए हैं। अब यह देखने की बात होगी कि निलंबित कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष ने निलंबन के फैसले को ताक पर रख कर अपने स्तर पर प्रतियोगिता का आयोजन कराने की घोषणा कर दी है तो इस पर सरकार का क्या रुख सामने आता है। विडंबना यह है कि महिला पहलवानों के उत्पीड़न के आरोपों के बावजूद सरकार ने समय पर इस संबंध में अपना पक्ष साफ नहीं किया। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

व्यवस्थाएं हों दुरुस्त

सुकून की बात है कि ट्रांसपोर्टरों की देशव्यापी हड़ताल खत्म हो गई है। देश भर के ट्रांसपोर्टर संगठनों को 'हिट एंड रन' मामले में सजा के नये प्रावधानों को लेकर न केवल काफी भ्रम था, बल्कि खासकर ड्राइवरों की चिंता वाजिब थी। कानून के सबसे ज्यादा असर से डरे ड्राइवरों का डर और भविष्य की चिंता भी नकारी नहीं जा सकती। कम तनख्वाह, गरीबी में गुजारा और साधारण रहन-सहन के चलते भारत के समकक्ष माने जाने वाले देशों के मुकाबले हमारे प्राइवेट ड्राइवरों की हैसियत मजदूर से ज्यादा नहीं है। भारत में हर साल 4 लाख से ज्यादा सड़क हादसों में डेढ़ लाख मौतें होती हैं जबकि हिट एंड रन से 25-30 हजार लोगों की जान जाती है। सच है कि दुर्घटना जानबूझकर कोई नहीं करता। दुर्घटना के बाद ड्राइवर फरार हो जाते है क्योंकि रुकेंगे तो आसपास इकट्ठी हुई भीड़ खुद फैसला करने लगती है। अनेक उदाहरण हैं कि सड़क हादसों के बाद पकड़े गए ड्राइवर बुरी तरह पिटते हैं, उनकी मौत तक हो जाती है। कई बार लदे लदाए वाहन समेत ड्राइवर को जिंदा तक जला दिया जाता है। ऐसे कृत्य करने वालों के खिलाफ अक्सर मामला तक दर्ज नहीं होता। ड्राइवर जान से हाथ धो बैठता है तो उसका परिवार अनाथ होकर दर-दर भटकने को मजबूर हो जाता है। भारत में एक करोड़ से ज्यादा कमर्शियल वाहन हैं, जिनसे 20 करोड़ लोगों को काम मिलता है। ऐसे में हड़ताल होने से हुआ नुकसान समझ आता है। निश्चित रूप से सरकार ने इस कानून पर सोच- विचार कर ट्रांसपोर्टरों का पक्ष जानने की अच्छी पहल की है। यकीनन ट्रांसपोर्टेशन देश की अर्थव्यवस्था के साथ आम लोगों की सभी जरूरतों की पूर्ति करता है। सब्जी भाजी, दूध, अनाज, दवाई और आम और खास सभी के आवागमन का जरिया भी है। ऐसे में हड़ताल से एक ही दिन में देश भर में महज पेट्रोल-डीजल की किल्लत तो सब्जियों के दूने भाव ने हालात कहां से कहां पहुंचा दिए सबने चंद घंटों में देख लिया। यह सही है कि भारतीय न्याय दंड संहिता में पहले हिट-एंड- रन जैसी घटनाओं की खातिर कोई सीधा कानून नहीं था। आरोपी पर आईपीसी की धारा 304ए में अधिकतम दो साल की जेल या जुमनि का प्रावधान रहा लेकिन नई भारतीय न्याय संहिता यानी बीएनएस, जो ब्रिटिशकालीन भारतीय दंड संहिता की जगह बनी है, में ड्राइवर से गंभीर सड़क दुर्घटना होती है और वह पुलिस या किसी अधिकारी को जानकारी दिए बिना चला जाता है, तो उसे दंडित किया जा सकेगा। इसमें 10 साल तक की जेल और 7 लाख रुपये तक जुमनि का प्रावधान है। लेकिन सवाल है कि आरोपी ड्राइवर की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी होगी? भले ही टक्कर सामने वाले की गलती से हुई हो? भारत में हिट एंड रन को लेकर कानून में सुधार जरूरी है लेकिन सभी पहलुओं पर विचार के साथ दुनिया भर के कानूनों को भी देखना होगा जहां ड्राइवर सम्मानजनक पेशा है। यूएई में ऐसे मामलों में ड्राइवर को सबसे पहले गाड़ी से जुड़े दस्तावेज पुलिस को सौंपने होते हैं। घटनास्थल पर पुलिस नहीं है तो 6 घंटे के अंदर जानकारी पुलिस को देनी होगी। देरी पर वजह बतानी होगी। यहां ड्राइवर को चार साल की जेल या उससे 44, 44,353 रुपये बतौर जुर्माना वसूला जा सकता है। लेकिन हादसे में कोई घायल होता है और उसे हॉस्पिटल ले जाया जाता है तो दोषी ड्राइवर को दो साल की जेल और 22 हजार रुपये तक जुर्माना वसूला जाएगा। कनाडा में ड्राइवर को 5 साल की जेल लेकिन हादसे से मौत पर आजीवन कैद का प्रावधान है।

तपोभूमि प्रणेता आचार्य गुरुदेव प्रज्ञा सागर जी महाराज संसघ के सानिध्य में होगा माननीय मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव का भव्य नागरिक अभिनंदन

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

उज्जैन। तपोभूमि प्रणेता आचार्य श्री प्रज्ञा सागर जी संसघ के सानिध्य में 7 जनवरी रविवार दोपहर को 2बजे मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव का भव्य नागरिक अभिनंदन समारोह आयोजित किया जा रहा है फेडरेशन के मिडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू ने बताया कि समाज सचिव सचिन कासलीवाल ने बताया कि गुरुवार को भोपाल स्थित मुख्यमंत्री निवास विंध्य कोठी पर दिगंबर जैन समाज एवं महावीर तपोभूमि ट्रस्ट के समाजसेवी की मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव से सौजन्य भेंट हुई। जिसमें विशेष रूप से समाज अध्यक्ष, तपोभूमि संस्थापक अध्यक्ष अशोक जैन चायवाला, सचिव सचिन कासलीवाल ने मुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत किया एवं तपोभूमि प्रणेता आचार्य गुरुदेव प्रज्ञा सागरजी महाराज के तत्वावधान में श्री महावीर तपोभूमि उज्जैन में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री का नागरिक अभिनंदन समारोह के लिए आमंत्रित किया। जिसमें मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने सहर्ष कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए स्वीकृति प्रदान की। कार्यक्रम भव्य रूप से श्री महावीर तपोभूमि पर होने जा रहा है जिसकी तैयारियां भव्य रूप से प्रारंभ की जा चुकी है। कार्यक्रम में सकल जैन समाज के आने का आग्रह अध्यक्ष सुनील जैन ट्रांसपोर्ट,सचिव धर्मेंद्र सेठी, कार्यअध्यक्ष दिनेश जैन सुपर फार्मा, कोषाध्यक्ष इंद्रमल, उपाध्यक्ष संतोष लुहाडिया, तपोभूमि ट्रस्ट संरक्षक कमल मोदी व पवन बोहरा, सह सचिव दीपक जैन, निर्माण मंत्री संजय बड़जात्या, अनिल कासलीवाल, वीरसेन जैन, सुनील जैन बडगडिया, प्रज्ञा कला मंच अध्यक्ष नीलू बडजातियां बढ़ जातियां, आदि सभी ने किया।

टोंक जिला प्रमुख सरोज बंसल ने सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ में प्राप्त किया गुरु मां का आशीर्वाद

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने प्रवचन सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधन देते हुए कहा कि - जो द्वैत और अद्वैत की भावना से ऊपर है, जो अपने आत्म-साक्षात्कार से प्रबुद्ध है; जो अज्ञान के अंधेरे से जाग्रत है ; और जो सर्वज्ञ है वह परम गुरु है। गुरु भक्ति से जीवन में निखार आता है। प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में गुरु का महत्व है-गुरु द्वारा व्यक्ति द्विज रूप प्राप्त करता है.. जो ज्ञान के द्वारा अपने को नया बनाये और अपने अंदर रूपांतरण लाए, वही उसका दूसरा जन्म होता है और ये गुरु कृपा से ही संभव होता है ।एक गुरु आराध्य, आदरणीय, पूजनीय होता है, और उत्तम सम्मान का पात्र होता है। वह कोई साधारण व्यक्ति नहीं है। वह आपकी सफलता की कुंजी रखने वाले कई गुणों वाले एक विशेष व्यक्ति हैं, वह आपके गुरु हैं। गुरु भक्ति, गुरु का शिष्य बनने के लिए सबसे पहली कसौटी है कि झुकना सीखो ! भरने के लिए झुकना जरूरी है। जो विनम्र होगा उसे ही गुरु द्वारा ज्ञान प्रकट होगा ! उसे गुरु भक्ति प्राप्त हो सकता है। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ , गुंसी (राज.) की पावन धरा पर निमार्णाधीन 108 फीट उत्तुंग कलशाकार सहस्त्रकूट जिनालय का भव्य निर्माण कार्य आरम्भ हो चुका है ।टोंक जिले की जिला प्रमुख सरोज बंसल ने क्षेत्र पर पहुंचकर गुरु माँ का मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। अखिल भारतवर्षीय जैन समाज के लिए यह तीर्थ क्षेत्र अनमोल खजाना है। अल्प समय में ही यह विकसित होकर आप सबके पुण्यास्त्रव में कारण बनेगा ।

दिगम्बर जैन समाज बापू नगर सम्भाग
कार्यालयः श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन चैत्यालय, बी-21 ए, गणेश मार्ग, बापू नगर, जयपुर- 302015

नव वर्ष स्नेह मिलन समारोह
रक्तदान एवं चिकित्सा शिविर
रविवार, 7 जनवरी 2024
समयः प्रातः 10 बजे से 1 बजे तक
स्थानः दिगम्बर जैन नसियां भट्टारकजी, नारायण सिंह सर्किल, जयपुर

शिविर में राजस्थान अस्पताल के निम्न विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध रहेंगी...

हृदय रोग विशेषज्ञ - डॉ. गोविंद एन शर्मा
फिजीशियन - डॉ. डी के जैन
हड्डी रोग विशेषज्ञ - डॉ. जितेश जैन
पल्मोनोलॉजिस्ट - डॉ. मधुर जोशी
स्त्री रोग विशेषज्ञ - डॉ. शिल्पा जेतवानी
नैत्र रोग विशेषज्ञ - डॉ. निकिता जैन

शिविर में उपलब्ध निःशुल्क जांचें
नोटः-1. जांच करवाने हेतु खाली पेट आना उचित रहेगा।
2.रोगी अपने ईलाज संबंधित पूर्व रिपोर्ट व डॉक्टर की पर्ची साथ लेकर आवें।

बीएमडी	शुगर	लिपिड प्रोफाइल	ई.सी.जी.
पीएफटी	बीपी	वेट	हाईट

विशेष
डॉ. पीयूष त्रिवेदी
एक्यूप्रेशर विशेषज्ञ

सभी रक्तदाताओं को यातायात अवेयरनेस को ध्यान में रखते हुए ISI मार्का हेलमेट भेंट किए जाएंगे

रक्तदान शिविर उद्घाटनकर्ता
हाड़ालोक हितकारी ट्रस्ट
तिलक नगर, जयपुर

चिकित्सा शिविर उद्घाटनकर्ता
डॉ. पी सी जैन
बापू नगर, जयपुर

शिविर प्रभारी
डॉ. जी. सी. जैन 9982498221
राकेश गोदिका 9414078380

सहप्रभारीः- ई. बलवीर जैन, श्रीमती बबीता जैन, रोहित जैन, पवन पाटनी, अनिल संघी

उमरावमल संघी अध्यक्ष
ज्ञानचन्द झांझरी उपाध्यक्ष
निर्मल कुमार संघी संयुक्त मंत्री
सीए वी.के. जैन कोषाध्यक्ष
डॉ. राजेन्द्र कुमार जैन मानद मंत्री

समारोह समन्वयकः- सुरेन्द्र कुमार मोदी, महावीर कुमार जैन, संजय पाटनी, रमेश बोहरा

नट सम्राटः नामचीन अभिनेता गणपतराव वेलवरकर की जीवन संध्या पर भोगी हुई त्रासदी की मार्मिक कहानी

जयपुर. शाबाश इंडिया

नटसम्राट रंगमंच से अवकाश ले चुके व सम्मान प्राप्त एक नामचीन अभिनेता गणपतराव वेलवरकर की जीवन संध्या पर भोगी हुई त्रासदी की मार्मिक कहानी है। इस कहानी को दशार्ते नाटक का मंचन कल शाम रवींद्र मंच के मुख्य सभागार में हुआ। वी वी शिवाडकर द्वारा लिखित इस प्रभावपूर्ण नाटक का निर्देशन तपन भट्ट ने किया। तपन भट्ट ने नाटक के अनुरूप नाटक के क्राफ्ट में और मंचन प्रभावी परिवर्तन किए। नाटक का नायक नटसम्राट गणपतराव वेलवरकर एक शेक्सपीरियन और मराठी स्टाईल का अभिनेता है, जिसने अपने नाट्य जीवन मे बहुत नाम कमाया है और सरकार से नट सम्राट की उपाधि प्राप्त की है। अपने नाट्य जीवन से अंतर्गत वो अपनी पत्नी और अपने बेटे बेटी के साथ सुखपूर्वक रहता है। अपने नाट्य जीवन अवकाश लेने के बाद वह बहुत प्रेम व आशा के साथ अपनी सारी सम्पत्ति अपनी दोनों संतानों अपने बेटे उर बेटी में बांटकर निश्चिंत हो जाता है किन्तु कालान्तर में अपने पुत्र एवं पुत्रवधु के कटु और उपेक्षा पूर्ण व्यवहार से क्षुब्ध हो कर उसे अपने पुत्र का घर छोड़ कर अपनी पुत्री के घर जाने को विवश होना पड़ता है ।तत्पश्चात पुत्री के भी कटु व्यवहार एवं पुत्री द्वारा चोरी का आरोप लगा देने तथा इस गम में अपनी जीवन संगिनी की मृत्यु होने के बाद अर्द्ध-विक्षिप्तावस्था में बिना बताये घर छोड़कर चले जाता है और दर दर भटकता है। तब उसे उसका अंतर्मन पुकारता है और नट सम्राट को किंगलीयर की याद दिलाता है। तब नट सम्राट कहता है ओ बेमुरव्वत चुड़ैलों, मै रोऊंगा नहीं, मै लूंगा तुमसे भयानक बदला, चाहे हो जाये मेरे सहरीर के असंख्य टुकड़े, मेरे जीवन मे कितने भी कष्ट आएं, बच्चे मुझे ठुकरा दें, पर मैं रोऊंगा नहीं, और ना ही अपने बच्चों से आसरा मांगने जाऊँगा, आंसू की एक भी बूंद गिरने से पहले मैं भ्रमिष्ट हो जाऊंगा, ऐसा होने से पहले ही मैं विक्षिप्त हो जाऊंगा। नट सम्राट करता भी वही है। उसके अभिनीत किये गए नाटक के पात्र किंग लियर, जूलियस सीजर, हेमलेट, ओथेलो, नारायण राव, इंद्रजीत, कालिदास आदि उसे बार बार याद आते हैं और उन्हीं के सहारे वो अपना शेष जीवन विक्षिप्तता की अवस्था मे एक नाट्यशाला के बाहर बिताने के लिए तैयार है, ये सोचते हुए कि बच्चे बुरे नहीं होते बुरा होता है बुढापा। नटसम्राट के अंतर्मन का नाटक में जो प्रयोग किया गया जो संभवतया इस नाटक में पहली बार किसी निर्देशक के द्वारा किया गया है। वो अंतर्मन कई बार दर्शकों से रूबरू होता है और नट सम्राट के मन की बात कहता है। वो नैत सम्राट के सारे भाव, पीड़ा, दुख, दर्द, क्रोध को दर्शकों के सामने रखता है। उधर अपनी गलती का भान होने पर उसके पुत्र व पुत्री परिवार सहित उसे वापस ले जाने के लिये आते हैं, किंतु नटसम्राट अपने बच्चों को माफ नहीं करते हुए उनके साथ नही जाता और नाट्यशाला के बाहर ही अपने प्राण छोड़ देता है और अपने अंतर्मन के द्वारा दर्शकों को बताता है, वो जैसे धरती पर नाटक करते थे अब स्वर्ग में नाटक करेंगे। अंतर्मन कहता है, नट सम्राट मरते नही, नट सम्राट मरा नहीं करते। एक संवाद में नट सम्राट का अंतर्मन कहता है.. हाँ तुम युवा हो, क्योंकि तुम कर सकते हो संभोग अपनी मादा से। पर युवा तो कौए भी होते हैं, भेड़िए भी और गिद्ध भी और कीड़े मकोड़े भी, जो करते हैं संसर्ग और लाखों बिलबिलाते कीड़ों की जमात पैदा कर के मर जाते हैं, पर इसी दलदल में से उठ खड़ा होता है एक शख्स... मेरा तुम्हारा बाप.... इस बाप को बेशक भूल जाओ, पर भुलाया अगर उस परम पिता को तो पहाड़ों की कंदराओं में बैठे गिद्ध खा जाएंगे निमिशार्द्ध में, सिर्फ तुम्हे ही नहीं, सम्पूर्ण मानव जाती को..... एक संवाद और नट सम्राट कहते हैं कि ''मैं अपनी दिवंगत पत्नी जिसे मैं सरकार कहता हूं, का इंतजार कर रहा हूँ। तो उसका अंतर्मन कहता है कि वो अब वापिस क्यों आएगी? क्या रखा है इस पृथ्वी पर?

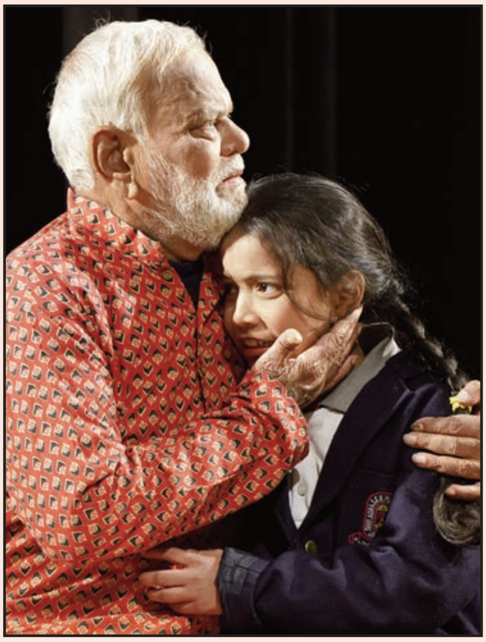

एक बार सितारों से भरी सभा में किसी ने पृथ्वी से पूछा कि क्या है तेरे पास जो तू इतना इतराती है? पृथ्वी में अपनी झोली में से मनुष्य निकाला कि ये है मेरे पास। सारे सितारे हँसने लगे, क्योंकि वो मनुष्य नहीं, 6 फुट का गंदा घिनौना जानवर था। नट सम्राट कहता है, मनुष्य कब जानवर बन गया पृथ्वी को पता ही नहीं चला।'' नाटक में नट सम्राट गणपतराव वेलवरकर की भूमिका 81 वर्षीय अभिनेता पं.वासुदेव भट्ट ने की। उनके बोले गए संवाद महापुरुषों के इस महासागर में एक पुरुष को मै भी जानता हूँ जो अपने स्थान पर अडिग है। वो मै हूँ। मै हूँ जूलियस सीजर, मै हूँ किंग लियर, मै हूँ हेमलेट, मै हूं ओथेलो, मै हूं नारायण राव, मै हूं इंद्रजीत, मै हूं कालिदास, मै हूँ गनपत राव बेलवरकर नट सम्राट। और आसमान में उड़ने वाली कोई चीज वासना की सीढ़ी से हमारे भीतर उतरती है और हम समझते हैं कि हम बाप हो गए, हम माँ हो गए। पर हम कुछ नही, हम सिर्फ सीढ़ी है, केवल सीढ़ी, पर दर्शकों की तालियों की गूंज देर तक होती रही। नाटक में विठोवा एवं नटसम्राट के अंतर्मन का किरदार विशाल भट्ट ने निभाया। कावेरी की भूमिका में रेखा शर्मा, बेटे नंदा की भूमिका में शाहरुख खान, बेटी नलू की भूमिका झिलमिल भट्ट , दामाद की भूमिका कमलेश चंदानी, पुत्रवधु की भूमिका में अन्नपूर्णा शर्मा और पोती नन्ही की भूमिका 10 वर्षीय पाखी ने की। अन्य पात्रो में डॉ सौरभ भट्ट, चित्रांश माथुर, संजय मिश्रा एवं निर्देशक तपन भट्ट ने भी विभिन्न किरदार निभाए। नाटक की प्रकाश व्यवस्था राजेन्द्र शर्मा राजू, संगीत प्रभाव डॉ सौरभ भट्ट एवं रूप सज्जा रवि बांका ने संभाली। नाटक का निर्देशन तपन भट्ट ने किया ।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वर्चुअल ट्यूटर का उपयोग करके एनईईटी यूजी, जेईई मुख्य परीक्षा की तैयारी कैसे करें

विजय गर्ग

जेईई मेन और एनईईटी यूजी परीक्षाओं की तैयारी चुनौतीपूर्ण हो सकती है, लेकिन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वर्चुअल ट्यूटर की मदद से यह बहुत आसान और अधिक कुशल हो जाता है। यहां बताया गया है कि आप इन परीक्षाओं की तैयारी के लिए एआई वर्चुअल ट्यूटर का उपयोग कैसे कर सकते हैं:

1. **व्यक्तिगत शिक्षा:** एक एआई वर्चुअल ट्यूटर आपकी ताकत और कमजोरियों का विश्लेषण कर सकता है, उन क्षेत्रों की पहचान कर सकता है जहां आपको सुधार की आवश्यकता है, और तदनुसार व्यक्तिगत अध्ययन योजनाएं प्रदान कर सकता है। यह आपकी सीखने की शैली और गति के अनुकूल हो सकता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि आप अपने अध्ययन के समय का अधिकतम लाभ उठा रहे हैं।

2. **अनुकूली अभ्यास:** एआई वर्चुअल ट्यूटर्स आपको अभ्यास प्रश्नों और मॉक टेस्ट की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान कर सकते हैं जो आपके कौशल स्तर के अनुरूप हैं। जैसे ही आप इन प्रश्नों को हल करते हैं, ट्यूटर आपकी प्रगति को ट्रैक कर सकता है और फीडबैक प्रदान कर सकता है, जिससे आपको सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने और उन पर प्रभावी ढंग से काम करने में मदद मिलेगी।

3. **अवधारणा सुदृढीकरण:** एआई वर्चुअल ट्यूटर्स इंटरैक्टिव दृश्यों, एनिमेशन और वास्तविक जीवन के उदाहरणों का उपयोग करके जटिल अवधारणाओं को समझा सकते हैं। वे कठिन विषयों को छोटे, अधिक समझने योग्य भागों में तोड़ सकते हैं और चरण-दर-चरण स्पष्टीकरण प्रदान कर सकते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि आपको परीक्षा के लिए आवश्यक मूलभूत अवधारणाओं की मजबूत समझ है।

4. **तुरंत संदेह निवारण:** पढ़ाई के दौरान संदेह या सवालों का सामना करना आम बात है। एआई वर्चुअल ट्यूटर के साथ, आप तुरंत संदेह स्पष्टीकरण प्राप्त कर सकते हैं। ये ट्यूटर विशाल ज्ञान से लैस हैं और आपके प्रश्नों का सटीक स्पष्टीकरण प्रदान कर सकते हैं, जिससे आपको तुरंत अपने संदेह दूर करने में मदद मिलेगी।

5. **प्रगति ट्रैकिंग:** एआई वर्चुअल ट्यूटर्स समय के साथ आपकी प्रगति को ट्रैक कर सकते हैं, विभिन्न विषयों और विषयों में आपके प्रदर्शन की निगरानी कर सकते हैं। इससे आपको अपने सीखने के पैटर्न और उन क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिलती है जिन पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। आप सटीकता, समय प्रबंधन और सुधार के रुझान सहित अपने समग्र प्रदर्शन आँकड़े भी देख सकते हैं।

6. **समय प्रबंधन और शेड्यूलिंग:** एक एआई वर्चुअल ट्यूटर आपको अनुकूलित अध्ययन शेड्यूल और अनुस्मारक प्रदान करके आपके अध्ययन के समय को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करने में मदद कर सकता है। यह सुझाव दे सकता है कि आपको अपनी वर्तमान समझ के स्तर के आधार पर प्रत्येक विषय या विषय पर कितना समय देना चाहिए, जिससे आपको पालन करने के लिए एक स्पष्ट योजना मिल जाएगी।

7. **प्रदर्शन विश्लेषण:** एआई वर्चुअल ट्यूटर्स आपकी ताकत और कमजोरियों को उजागर करते हुए मॉक टेस्ट और अभ्यास सत्र में आपके प्रदर्शन का विश्लेषण कर सकते हैं। यह आपकी परीक्षा देने की रणनीतियों, समय प्रबंधन कौशल और उन क्षेत्रों में विस्तृत जानकारी प्रदान कर सकता है जहां आप सुधार कर सकते हैं, जिससे आपको अपनी परीक्षा तैयारी रणनीति को परिष्कृत करने में मदद मिलेगी।

कुल मिलाकर, एक एआई वर्चुअल ट्यूटर आपकी जेईई मेन और एनईईटी यूजी परीक्षा की तैयारी यात्रा में एक मूल्यवान साथी हो सकता है। यह वैयक्तिकृत मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है, इंटरैक्टिव शिक्षण अनुभव प्रदान कर सकता है, संदेहों को तुरंत स्पष्ट कर सकता है, आपकी प्रगति को ट्रैक कर सकता है और आपके समय को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में आपकी सहायता कर सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से आप अपने सीखने के अनुभव को बढ़ा सकते हैं और इन प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता की संभावना बढ़ा सकते हैं।

मुदासिर भट्टः वॉचो (Watcho!) एक्सक्लूसिव ओह माय वाइफ!

(Oh My Wife!) की तैयारी के दौरान अपने किरदार के बारे मे खुलासा करते हुए बताया कि उनके दिमाग में कुमुद मिश्रा क्यों थे, जानिए !अभिनेता मुदासिर भट्ट ने अपने अभिनय करियर में पहली बार वॉचो (Watcho!) एक्सक्लूसिव वेब सीरीज 'ओह माय वाइफ!'(Oh My Wife!) के लिए एक फोरेंसिक एक्सपर्ट की भूमिका निभाई, जो हाल ही में वॉचो (Watcho) पर रिलीज हुई है। उन्होंने विवेक का किरदार निभाया, जो एक कुशल फोरेंसिक एक्सपर्ट है और वह एक महत्वपूर्ण हत्या के मामले के बीच व्यक्तिगत चुनौतियों में फंसा है। अपने किरदार की तैयारियों को लेकर बात करते हुए अभिनेता मुदासिर भट्ट ने कई महत्वपूर्ण जानकारियां बताई और कहा कि कैसे इस वेब सीरीज में अपनी भूमिका की तैयारी के दौरान उन्हें अनुभवी अभिनेता कुमुद मिश्रा लगातार उनके दिमाग में चल रहे थे।अभिनेता मुदासिर भट्ट ने अपने किरदार के बारे में बात करते हुए कहा, ₹मैंने पहले कभी स्क्रीन पर फोरेंसिक एक्सपर्ट की भूमिका नहीं निभाई है। हालांकि इसमें और क्रैकडाउन में निभाई गई मेरी भूमिका के साथ कुछ समानताएं थीं, परन्तु मैंने यह सुनिश्चित किया कि किसी भी प्रकार की कोई समानता मेरे इस किरदार मैं नजर ना आए. ओह माय वाइफ! (Oh My Wife!) में भूमिका की तैयारी के दौरान मेरे मन में कुमुद मिश्रा चल रहे थे। उन्होंने अपनी एक

फिल्म में इसी तरह का किरदार निभाया था और मैंने उस किरदार को ध्यान में रखा और उनसे प्रेरणा ली। हालांकि उनके जितना बेहतर बनना असंभव है, मैंने इस किरदार की तरह तक पहुंचकर काम किया और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया।₹ उन्होंने आगे कहा, ₹जब मैंने पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ना शुरू किया, तो मैं कहानी का अंत जानने के लिए उत्सुक था और जब मैंने अंततः क्लाइमेक्स पढ़ा, तो मुझे पता था कि मैं इसका हिस्सा बनना चाहता था। क्योंकि इसका मेरे व्यक्तित्व पर सकारात्मक प्रभाव था और वहीं स्क्रिप्ट ने मुझे बहुत मोहित कर लिया था। ईमानदारी से कहूँ तो, निर्देशक शौर्य सिंह के साथ मेरा जुड़ाव ही था जिसने मुझे तुरंत हां कहने के लिए प्रेरित किया। उनके साथ बातचीत इतनी सहज और स्वाभाविक थी कि मैंने अपनी फीस या किसी और चीज के बारे में सोचे बिना उनके साथ काम करने का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। ₹ओह माय वाइफ ! शौर्य सिंह द्वारा लिखित और निर्देशित, एक सस्पेंस थ्रिलर सीरीज है, जिसमें मुदासिर भट्ट, लोकेश बट्टा, स्नेहा सिंह सिसोदिया और दीपांशी एन. शाक्य ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं। Watcho Exclusives (वॉचो एक्सक्लूसिव) की यह सीरीज़ एक फॉरेंसिक एक्सपर्ट विवेक के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक हाई-प्रोफाइल हत्या के मामले के बीच व्यक्तिगत उथल-पुथल से निपट रहे हैं। साथ ही प्रोफेशनल चुनौतियों और व्यक्तिगत झगड़ों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करते हैं , विवेक को अचानक अपने जीवन में एक अनोखे अनोखे का सामना करना पड़ता है जब उनका संदेह अपनी पत्नी पर जाता है। यह सीरीज़ दर्शकों को हैरान कर देती है और सवाल उठाती है कि क्या विवेक की पत्नी कुछ डरावनी बात छिपा रही है या हत्यारा पूरी तरह से कोई और है? यह मनोरंजक कथा कई रहस्यों को उजागर करती है जो दर्शकों को अंत तक अनुमान लगाने पर मजबूर करती है।'Oh My Wife!'(ओह माय वाइफ!) ये वेब सीरीज देखने के लिए बने रहें वॉचो एप पर।

खेलों में राजनीति खेल और खिलाड़ी दोनों के लिए चिंताजनक

जयपुर. शाबाश इंडिया। खेल संघों पर राजनेता नहीं, खेल प्रतिभाओं को विराजमान करना चाहिए। इन संस्थाओं में पदाधिकारियों का कार्यकाल भी निश्चित होना चाहिए एवं एक टर्म से ज्यादा किसी को भी पद-भार नहीं दिया जाना चाहिए। सरकार की बंदिशों के बावजूद अधिकांश खेल संघों पर राजनेताओं का कब्जा है। इनमें बड़ा भ्रष्टाचार व्याप्त है, जो वास्तविक खेल प्रतिभाओं को आगे नहीं आने देती। यह सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न फेडरेशनों के अंदर कारगर तंत्र बनाने पर भी गंभीरता से विचार होना चाहिए। सरकार का यह कर्तव्य है कि खिलाड़ियों को सुरक्षित व प्रगतिपूर्ण वातावरण प्रदान किया जाए। इससे खिलाड़ी अपनी क्षमताओं का पूर्ण विकास कर सकेंगे। इसलिए खेल को सियासत के कुचक्र में न फंसाकर राष्ट्र हित में योगदान देना चाहिए। विवादित मुद्दे का राष्ट्र हित और खिलाड़ियों के हक में समाधान किया जाना चाहिए। हमारा प्रयास खिलाड़ियों के लिए अच्छा वातावरण मुहैया करवाना चाहिए।

-डॉ. सत्यवान सौरभ

प्रबन्धकारिणी समिति चुनाव-2024
कीर्ति नगर जैन मंदिर

अनुभवी व्यक्तियों का लाभ, नव युवकों का साथ
भामाशाहों का विश्वास, मंदिर जी का विकास

बैलेट नं. 1 अरूण काला (मटरू) अध्यक्ष
बैलेट नं. 2 प्रेमकुमार जैन उपाध्यक्ष
बैलेट नं. 1 जगदीश जैन महामंत्री
बैलेट नं. 1 राजकुमार छाबड़ा मंत्री
बैलेट नं. 2 सुरेन्द्र कु. जैन कोषाध्यक्ष
बैलेट नं. 1 आशीष बैद प्रचार प्रसार मंत्री
बैलेट नं. 1 राजेन्द्र पाटनी सांस्कृतिक मंत्री

कार्यकारिणी सदस्य

बैलेट नं. 2 भागचन्द जैन
बैलेट नं. 11 उम्मेद मल पाण्ड्या
बैलेट नं. 4 मनोज छाबड़ा
बैलेट नं. 8 रमेश पाटनी
बैलेट नं. 5 मनीष शाह
बैलेट नं. 7 नवनीत सौगाणी

DR. FIXIT®
WATERPROOFING EXPERT
Pidilite

Rajendra Jain
Authorised Project Applicator
Dr. Fixit Jaipur Division

Mob.: +91 80036 14691
Add.: Dolphin Waterproffing
116/183, Agarwal Farm,
Mansarovar, Jaipur

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर '**शाबाश इंडिया**' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

सृजन द स्पार्क द्वारा आयोजित कार्यक्रम में छह को कला प्रेरक अवार्ड

बॉलीवुड गायिका प्रतिभासिंह बघेल की सुरमयी संध्या

उदयपुर. शाबाश इंडिया

In Association with
Srajan The Spark
UDAIPUR
PRESS CONFERENCES
Friday 5th January, 2024
Venu
Hote i Median
Uda ajasthan
INDIRA IVF
Pratibha Singh Baghel

संगीत एवं कला के क्षेत्र में अग्रणी अंतरराष्ट्रीय संस्था ''सृजन द स्पार्क'' के उदयपुर चेप्टर की ओर से 7 जनवरी रविवार को 6.30 बजे भारतीय लोककला मंडल में संगीतमयी शाम आयोजित होगी। जिसमें बॉलीवुड गायिका प्रतिभासिंह बघेल अपनी मखमली आवाज से सुरों की महफिल सजाएंगी। संस्था अध्यक्ष दिनेश कटारिया ने शुक्रवार को प्रेसवार्ता में उपरोक्त जानकारी देते बताया कि पिछले 10 वर्ष में इस संस्था ने देश में 14 और विदेश में 4 चेप्टर खोलकर भारतीय संगीत नई ऊंचाई प्रदान की है। एपेक्स अध्यक्ष राजेश खमेसरा ने बताया कि हिन्दुस्तान जिंक एवं इंदिरा आई वी एफ के सौजन्य से आयोजित इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध गजल गायक चंदनदास को इस वर्ष लाईफ टाईम अचीवमेन्ट अवार्ड सहित 6 लोगों को कला प्रेरक अवार्ड प्रदान किए जाएंगे। कार्यक्रम संयोजक भूपेन्द्र श्रीमाली के अनुसार इस वर्ष के कला प्रेरक अवार्ड में सृजन वी डी पलूसकर अवार्ड महाभारत सीरीयल के एंकर हरीश भिमानी को प्रदान किया जाएगा। वहीं ओंकारनाथ ठाकुर अवार्ड फिल्मी एवं टीवी कलाकार राजेश जैश को तथा नंदलाल बोस अवार्ड वीणा कैसेट चैयरमैन के सी मालू को प्रदान किया जाएगा। कमेटी चेयरमैन डॉ. अजय मुर्डिया ने बताया कि इसी प्रकार अमीर खुसरो अवार्ड झीलों की नगरी से प्रसिद्ध गजल गायक, कंपोजर एवं शायर डॉ. प्रेम भंडारी को, मास्टर मदन अवार्ड ईटरनल हॉस्पिटल जयपुर की चैयरमैन मंजू शर्मा को तथा खेमचंद प्रकाश अवार्ड सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्मार्ट सिटी हॉस्पिटल भोपाल के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. विनय सक्सेना को प्रदान किया जाएगा। संस्था सचिव ब्रजेन्द्र सेठ ने जानकारी दी कि इस वर्ष से बिजनेस क्षेत्र में एक नया अवार्ड और शुरू किया जाएगा। सृजन एक्सीलेन्सी अवार्ड फॉर बिजनेस विजनरी अचीवमेन्ट अवार्ड की पहली कड़ी में इस केटेगरी का अवार्ड जी बिजनेस, मुंबई के मैनेजिंग एडिटर अनिल सिंघवी को प्रदान किया जाएगा। एपेक्स सचिव अब्बास अली बंदूकवाला ने बताया कि कार्यक्रम में प्रवेश निःशुल्क लेकिन पास के जरिये होगा। ये पास कनाट प्लेस कार्यालय एवं फतहपुरा स्थित पेट्रोल पंप से प्राप्त किये जा सकेंगे। संस्था के पूर्व अध्यक्ष श्याम एस सिंघवी ने बताया कि सृजन द स्पार्क संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में देश के टेलेन्ट को आगे लानें का प्रयास किया जा रहा है।इसके अलावा संस्था शीघ्र ही अपनी वेबसाईट लॉन्च करेगी जिसके माध्यम से संस्था केँ झूट हर कार्यक्रम एवं आयोजन की जानकारी मिल सकेगी। गौरतलब है कि संस्था द्वारा करीब 45 हजार वर्गफीट जमीन पर शीघ्र ही गजल एकेडमी हेतु निर्माण कार्य प्रारम्भ किया जाएगा जिसमें देश के ख्यात कलाकारों द्वारा विद्यार्थियों को संगीत एवं कला की शिक्षा प्रदान की जाएगी ।संस्था के कोषाध्यक्ष प्रकाश लोढ़ा और उपाध्यक्ष राजेन्द्र शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में संस्था के मुख्य संरक्षक आई जी कोटा रेंज प्रसन्न कुमार खमेसरा सहित कई गणमान्य मौजूद रहेंगे।

रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'

राष्ट्रीय नाई महासभा का स्थापना दिवस समारोह पूर्वक सम्पन्न

राष्ट्रीय नाई महासभा
(राष्ट्रीय अधिवेशन) के
20 वें स्थापना दिवस
में आपका हार्दिक अभिनन्दन

जयपुर. कासं। राष्ट्रीय नाई महासभा का बीसवां स्थापना दिवस शुक्रवार को जयपुर में मनाया जायेगा, जिसमें महासभा से जुड़े देश भर के पदाधिकारी शामिल हुए। राष्ट्रीय नाई महासभा के प्रदेश अध्यक्ष अशोक सरना की अध्यक्षता में मनाये गए इस अधिवेशन का उद्घाटन महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, विधान परिषद बिहार के पूर्व सदस्य आजाद गांधी थे। राष्ट्रीय नाई महासभा राजस्थान के प्रधान महासचिव रोहिताश सैन ने बताया कि जयपुर के विद्याधर नगर स्थित ब्राह्मण महासभा भवन में सम्पन्न हुआ यह स्थापना दिवस कार्यक्रम राजस्थान में पहली बार आयोजित हुआ, जिसमें दिल्ली, हरियाणा, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात, महाराष्ट्र, बिहार, झारखण्ड, छत्तीसगढ़,हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर,कर्नाटक व आंध्रप्रदेश जयपुर समेत कई अन्य प्रदेशों से भी महासभा के राष्ट्रीय पदाधिकारी शामिल हुए। अधिवेशनके मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश केश कला बोर्ड के अध्यक्ष (दर्जा केबिनेट मंत्री) नंदकिशोर वर्मा थे. वर्मा ने अपने उद्बोधन मैं कहा कि हमारा समाज किसी भी रूप में कमजोर नहीं है बस हमें हमारी ताकत को पहचानना है हम जब तक हम हमारी एकता को मजबूत नहीं करेंगे तब तक हम राजनीति में सफल नहीं हो पाएंगे. उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में के शिल्पी बोर्ड के माध्यम से 33 हजार लोगों को आर्थिक सहायता दी जा चुकी है और उनके कल्याण के लिए सेन समाज के कल्याण के लिए मध्य प्रदेश सरकार ने बहुत अच्छी योजनाएं चालू कर रखी हैं. स्वागत भाषण महासभा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र सरोज ने दिया. राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अनिल शर्मा ने महासभा का एजेंडा वाचन किया . वरिष्ठ पत्रकार प्रताप राव अधिवेशन के विशिष्ट अतिथि थे.महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आजाद गांधी ने महासभा के उद्देश्यों और महासभा की सफर पर विस्तार से प्रकाश डाला. अधिवेशन की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय नाई महासभा के प्रदेश अध्यक्ष अशोक सरना ने कहा हमारे समाज को एक एकता एक होने के साथ-साथ में शिक्षित होने की बहुत आवश्यकता है क्योंकि शिक्षा सौ तालों की एक चाबी है. किसी भी समाज का समग्र विकास शिक्षा के बिना संभव नहीं है।

एक बार तलने के बाद तेल को कितनी बार दोबारा उपयोग किया जा सकता है ?

बढ़िया प्रश्न है!!

मैंने बड़े होते हुए घर में माँ को पूरियाँ और पकोड़े तलते हुए खूब देखा है।और मैंने हमेशा देखा के माँ सबकुछ तलने के बाद, तेल को ठंडा करने रख देतीं।फिर ठंडा होने के बाद, एक छलनी लेकर ठंडे तेल को छान लेतीं एक और बर्तन या बोतल में।फिर से वही तेल अगली बार खाना पकाने के लिए उपयोग करतीं। फिर जब मैंने खाना पकाना शुरू किया, मैंने भी यही तरीका अपनाया।इतने सालों से यही तरीका मेरे जान-पहचान के लोग भी उपयोग करते हैं, और सभी का स्वास्थ्य अच्छा है ! ;)

अब मुद्दे की बात:

कितनी बार उसी तेल का प्रयोग किया जा सकता है ?

उत्तर: इसमें काफी सारा विज्ञान है।

घर-गृहस्थी में जब हम तेल इस्तेमाल करते हैं, तो यदि पूरियाँ, या सब्ज़ियों के पकोड़ों जैसी चीजें हों, तो यही सदियों पुराना तरीका ठीक है। एक चीज नोट करें के यदि पकोड़ों का लेप (बेसन, चावल का आटा, सूजी, इत्यादि) कुछ ज्यादा मात्रा में गिर जाए उबलते तेल के बर्तन के नीचे हिस्से में, तो यह तेल तीन या चार बार और उपयोग किया जा सकता है।उसके बाद फेंक दे। यदि मांसाहार तला हो, तो एक ही बार इस्तेमाल करें उस तेल को। याने के एक बार तलने के बाद, तेल को फेंक देना चाहिए।

कैसे पता चले के अब बस, इस पुराने तेल को फेंको ?

इसका उत्तर है के यदि तेल को गरम करते समय तेल के ऊपर काला झाग बन रहा हो, या तेल ठीक से गरम ही नहीं हो रहा हो- तो उसका मतलब है के अब इस पुराने तेल को कृपया इस्तेमाल ना करें। तेल कौनसे बर्तन में गरम किया जा रहा है, यह भी महत्वपूर्ण है। सबसे उचित तरीका है इलेक्ट्रिक फ़्राइअर का उपयोग।उसमें तेल को कई बार उपयोग कर सकते हैं। खैर, इसका कोई एक ठोस उत्तर नहीं है।जैसा खुद को लगे, वैसा करना बेहतरीन है, बस, और थोड़ी सी व्यावहारिक बुद्धि लगा ले तो ठीक रहता है !

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय
आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान
विधानसभा,जयपुर I 9828011871

पीएम मोदी तीन दिन जयपुर में

लोकसभा चुनाव से पहले पीएम मोदी ने दिया अंत्योदय और गुड गवर्नेंस का मंत्र

जयपुर. कासं। पीएम नरेंद्र मोदी ने भाजपा विधायकों, मंत्रियों और संगठन के पदाधिकारियों की बैठक में गुड गवर्नेंस व लोकसभा चुनाव में जीत के लिए अंत्योदय का मंत्र दिया है। इसमें समाज की अंतिम पंक्ति तक लाभ पहुंचाकर सफलता हासिल करने की बात शामिल है। उधर, पीएम ने पार्टी कार्यालय में प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी को अंत्योदय के प्रणेता पं. दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा भी भेंट की। पीएम 2 घंटे तक भाजपा ऑफिस में रहे। कई नेताओं के साथ वन-टू-वन बात की। पार्टी सूत्रों के मुताबिक पीएम ने संबोधन में लोकसभा चुनाव से पहले कई अहम टास्क दिए। इसमें केंद्र की योजनाओं व संगठन के कार्यक्रमों को गति देने का संदेश दिया। पीएम ने 22 जनवरी को होने वाले राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम को लेकर भागीदारी पर चर्चा, इसे उत्सव की तरह मनाने को लेकर भी पक्ष रखा। भाजपा को पता है कब किसे क्या देना है पीएम नरेंद्र मोदी ने संबोधन में कार्यकताओं को तरजीह देने की भी बात रखी । उन्होंने सीएम भजनलाल समेत कुछ उदाहरण देकर कहा कि पार्टी की सभी कार्यकताओं पर नजर है। ऐसे में पार्टी को पता है कि कब किसे क्या देना है ? देने का सही समय क्या है ? ये सब पार्टी को पता है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि उनकी ये बात स्पष्ट संदेश था कि पार्टी में कार्यकर्ताओं को तरजीह मिल रही है और आगे भी मिलती रहेगी।

जयपुर में 3 दिन के प्रवास पर हैं पीएम : पीएम नरेंद्र मोदी तीन दिन के जयपुर प्रवास पर है और राजभवन में ठहरे है। अब वो दो दिन यानी शनिवार और रविवार को डीजीपी - आईजी 58वीं कॉन्फ्रेंस में शामिल होंगे। पीएम मोदी 7 जनवरी की शाम 4:30 बजे दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे। 111 ही सदन के सदस्य पहुंचे: भाजपा के विधानसभा में अध्यक्ष समेत 115 सदस्य है। पीएम की इस बैठक में शामिल होने के लिए 111 सदस्य ही पहुंचे। वसुंधरा राजे निजी कारणों से नहीं पहुंच सकी। उधर सुरेंद्र पाल सिंह टीटी चुनाव के कारण नहीं पहुंच सकें। इनके अलावा वासुदेव देवनानी विधानसभाध्यक्ष पद पर होने के कारण नहीं पहुंचे। उधर सिद्धि कुमार और सुरेश धाकड़ भी नहीं पहुंच सके।